न्यूज डायरी

चीन के बाद जापान में मिला रहस्यमयी वायरस, अब तक सात संक्रमित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) टोक्यो। जापान में वैज्ञानिकों ने एक अज्ञात वायरस की पहचान की है। यह वायरस इंसानों को संक्रमित कर सकता है और इसके फैलने के लिए टिक्स जिम्मेदार हैं। इसे येजो वायरस नाम दिया गया है और माना जा रहा है कि यह टिक के काटने से फैलता है। लक्षणों की बात करें तो बुखार और खून में प्लेटलेट्स और ल्यूकोसाइट्स का कम होना इसके प्राथमिक लक्षणों में शामिल है। जापान के भ्वाांपकव न्दपअमतेपजल पद ँचचवतव के शोधकर्ताओं ने नेचर कम्युनिकेशंस पत्रिका में अपनी रिसर्च को छापा है। होक्काइडो यूनिवर्सिटी के इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर जूनोसिस कंट्रोल के एक वायरोलॉजिस्ट ज्ञमपजं डंजेनदव के अनुसार जापान में कम से कम सात लोगों ने 2014 से वायरस की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि इस बात का शुक्र है कि किसी की मौत की पुष्टि नहीं हुई है।

नए परमाणु रिक्टर बनाने या पुराने को रिप्लेस करने की कोई योजना नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) टोक्यो। जापान फिलहाल नए न्यूक्लियर रिएक्टरों के निर्माण के बारे में कोई योजना नहीं बना रहा है। ये अहम बयान जापान के उद्योग मंत्री कोइची हागीउडा ने दिया है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा जापान की ऐसी कोई योजना नहीं है जिसमें पुराने न्यूक्लियर रिएक्टरों की जगह नए रिएक्टरों का निर्माण किया जाए। आपको बता दें कि जापान में फूमिओ किशिदा को नया प्रधानमंत्री बनाया गया है। योशिदे सुगा के इस्तीफा देने के बाद सोमवार को संसद के विशेष सत्र में किशिदा के नाम पर मुहर लगाई गई। उनकी सरकार में हागीउडा को उद्योग मंत्री बनाया गया है। आपको बता दें कि जापान के मार्च 2011 में आई सुनामी और भूकंप से जापान का फुकुशिमा परमाणु ऊर्जा संयंत्र नष्ट हो गया था। रूस के चर्नोबल हादसे के बाद फुकुशिमा दूसरे सबसे बड़े परमाणु हादसा था। गौरतलब है कि विश्व में जापान ही वो एक मात्र देश है जिसने परमाणु हमले का दंष भी झेला था।

तालिबान ने उइगरों को भगाया, ताजिक आतंकियों को दिए अमेरिकी हथियार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। तालिबान और उसके पड़ोसी देश ताजिकिस्तान के बीच तनाव बढ़ता ही जा रहा है। तालिबानी आतंकियों ने पिछले दो सप्ताह में ताजिकिस्तान के आतंकियों को हथियार और नए सैन्य वाहन मुहैया कराए हैं। यही नहीं आत्मघाती बम हमलावरों को भी तालिबान ने ताजिकिस्ध्तान की सीमा पर तैनात किया है। तालिबान के इस खतरे को देखते हुए ताजिकिस्तान ने भी अपनी तैयारी पुख्ता कर ली है और उसने सीमा पर बड़े पैमाने पर सैनिक तैनात किए हैं। इसके विपरीत चीन के खिलाफ संघर्ष कर रहे उइगर मुस्लिम विद्रोहियों को उनके इलाके से भगा दिया गया है। अफगानिस्तान पर नजर रखने वाली चर्चित वेबसाइट गंधारा ने ताजिकिस्तान और अफगान सूत्रों के हवाले से बताया कि ताजिक आतंकियों को तालिबान ने नए हथियार, वाहन और अन्य उपकरण दिए हैं।

भविष्य में स्पेस से आएगा आपके घर का सामान! अंतरिक्ष में फैक्ट्री बना रहा ब्रिटेन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन अतंरिक्ष में एक फैक्ट्री लगा रहा है। इसमें गुरुत्वाकर्षण की कमी का इस्तेमाल करके हाई परफॉर्मेंस वाले प्रोडक्ट्स का निर्माण किया जाएगा। पृथ्वी पर इन प्रोडक्ट्स को बनाना असंभव है। इस प्रोजेक्ट के लिए ब्रिटिश सरकार फंडिंग कर रही है। स्पेस फोर्ज नाम की कंपनी अपने रोबोट फोर्जस्टार ऑर्बिटल व्हीकल को अंतरिक्ष में भेजेगी, जिसका आकार ओवन जैसा होगा। यह वापस पृथ्वी पर लौटने से पहले बाहरी अंतरिक्ष में मनुष्यों की जरूरत के लिए सेमीकंडक्टर, मिश्रित धातु और फार्मास्यूटिकल्स का निर्माण कर सकता है। विशेषज्ञ चाहते हैं कि इसका इस्तेमाल वैक्सीन रिसर्च के साथ–साथ 3–डी बायोप्रिंटिंग के विकास के लिए किया जाए जिससे किडनी जैसे नए अंगों का निर्माण हो सके। वर्तमान में सामान्य गुरुत्वाकर्षण में जब किसी टिशू का निर्माण किया जाता है तो यह आसानी से खराब हो सकता है।

तालिबान राज में भुखमरी से हो रही अफगान बच्चों की मौत, सैकड़ों बीमार

दिक्कतें

तालिबान के कब्जे और सरकार के गठन के बाद से स्थिति बद से बदतर होती जा रही

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे और अंतरिम सरकार के गठन के बाद से स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। प्रत्येक बीत रहे दिन के साथ, देश का मानवीय संकट और अधिक गंभीरता के साथ सामने आ रहा है। इसकी वजह यह है कि भोजन और पानी की बुनियादी आवश्यकता के पहुंच की कमी ने कई लोगों को भुखमरी में डाल दिया है। इससे कई छोटे बच्चों की मौत हो गई है, जबकि भुखमरी के चलते सैकड़ों का इलाज किया गया है। अफगानिस्तान के कई प्रभावित प्रांतों में से एक घोर में स्थानीय लोगों ने कहा, 'अफगानिस्तान में बच्चे भूख से मर रहे हैं।' अंतर्राष्ट्रीय सहायता एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि अगर इस मामले को आपात स्थिति और युद्धस्तर पर नहीं सुलझाया गया तो साल के अंत तक लाखों छोटे बच्चों को गंभीर और जानलेवा कुपोषण का सामना करना पड़ सकता है। घोर

प्रांत में पिछले छह महीनों में कम से कम 17 बच्चों की कुपोषण से मौत हो चुकी है।

घोर प्रांत से लगभग 300 बच्चों का इलाज: स्थानीय लोगों का कहना है कि मृतकों की संख्या उन लोगों की है, जिन्होंने अस्पताल पहुंचाया और फिर उनकी मृत्यु हो गई। जमीन पर स्थिति कहीं अधिक खराब है, क्योंकि कई लोग अस्पताल नहीं पहुंच पाए हैं और अपनी जान गंवा चुके हैं। घोर प्रांत के जन स्वास्थ्य निदेशक मुल्ला मुहम्मद अहमदी ने कहा, 'केवल घोर प्रांत से लगभग 300 बच्चों का इलाज भुखमरी की वजह से किया गया है, जिनमें से 17 की मौत हो गई है।' उन्होंने कहा, 'देश के मध्य भागों में सैकड़ों बच्चों को भुखमरी का खतरा है।'

घोर में स्थानीय लोगों का कहना है कि पानी और भोजन तक लगभग शून्य पहुंच के कारण उनकी हालत गंभीर है, जिससे स्थानीय लोगों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों के बीच स्वास्थ्य को बड़ा खतरा है। घोर निवासी अमानुल्लाह ने कहा, 'मैं आपको बता सकता हूं कि हाल के दिनों में कई बच्चे भूख से मर चुके हैं। हमारे पास बच्चों को खिलाने के लिए कुछ खाना नहीं है। हमारे पास पानी नहीं है। हमारे पास अपने परिवारों के लिए काम करने और कमाने के लिए कोई काम नहीं है।'

बहुत सारे बच्चों ने भूख की वजह से अपनी जान गंवाई है': अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र बाल एजेंसी (यूनिसेफ) द्वारा भी इसी तरह की आशंका व्यक्त की गई है, जिसके प्रवक्ता ने कहा कि बड़ी संख्या में बच्चे कुपोषण और भुखमरी के कारण कीमत चुका रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं घोर में मौतों की संख्या की पुष्टि नहीं कर सकता लेकिन पुष्टि कर सकता हूं कि बहुत सारे बच्चों ने भूख की वजह से अपनी जान गंवाई है।' संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि वर्ष के अंत तक, अफगानिस्तान में पांच वर्ष से कम आयु के दस लाख बच्चों को गंभीर गंभीर कुपोषण की वजह से उपचार की आवश्यकता होगी, जबकि अन्य 33 लाख तीव्र कुपोषण से पीड़ित होंगे।

पाकिस्तान की विदेशी नीति की आलोचना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। तालिबान द्वारा अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद एक परिवर्तित और प्रबुद्ध चेहरा होने के उसके दावों को दुनिया में मान्यता प्राप्त करने में अभी भी समय लग रहा है। अफगानिस्तान में तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार की स्थापना को अभी तक दुनिया भर के किसी भी देश द्वारा मान्यता नहीं मिली है। क्योंकि तालिबान को अभी भी अपने वादों को पूरा करना है। जैसा कि दुनिया को अफगानिस्तान में तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार को मान्यता देने में समय लग रहा है, पाकिस्तान ने भी वेट एंड वॉच की अपनी नीति को अपनाने का विकल्प चुना है।

एक ऐसा रुख जिसकी अब देश के धार्मिक राजनीतिक दलों द्वारा आलोचना की जा रही है। पाकिस्तान की सबसे बड़ी धार्मिक पार्टी जमात–ए–इस्लामी (जेआई) ने प्रधानमंत्री इमरान खान से अफगानिस्तान में तालिबान शासन को तुरंत मान्यता देने की मांग की है। जिसका उद्देश्य युद्धग्रस्त देश और क्षेत्र में शांति का मार्ग प्रशस्त करना है। जेआई के प्रमुख सिराजुल हक ने कहा, श्इस्लामी देशों को तालिबान सरकार को मान्यता देने के लिए इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) की एक बैठक बुलानी चाहिए।

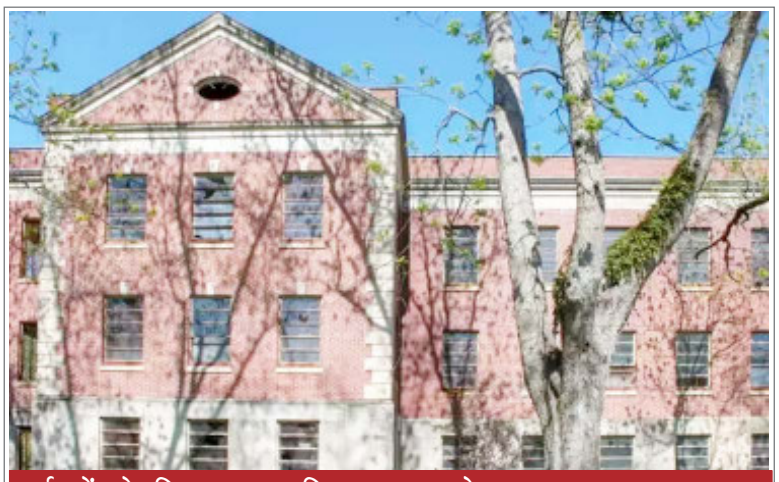

पर्यटकों के लिए खुला दुनिया का सबसे बड़ा पागलखाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अटलांटा। जॉर्जिया में बंद पड़े सेंट्रल स्टेट हॉस्पिटल को अब पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। सालों तक यह खंडहर खोजकर्ताओं और भूत पकड़ने वालों के बीच अकर्षण का केंद्र बना रहा। मूल रूप से इसका नाम Georgia State Lunatic] Idiot] and Epileptic Asylum है। यह 1842 में स्थापित किया गया था और 1960 के दशक तक 12,000 से अधिक मरीजों के साथ दुनिया में सबसे बड़े अस्पताल के रूप में बदनाम हो गया। दूसरे विश्व युद्ध का असर दुनिया के कई मानसिक अस्पतालों पर हुआ। जॉर्जिया के अस्पताल को जारी रखने के लिए भी पैसे की जरूरत थी।

स्यूकुरो मानेबे, क्लाउस हैसलमैन और जियोर्जियो पेरिसी को मिला फिजिक्स में नोबेल पुरस्कार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

स्टाकहोम। फिजिक्स के लिए नोबेल पुरस्कार 2021 की घोषणा कर दी गई है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने जटिल भौतिक प्रणालियों की समझ में अभूतपूर्व योगदान के लिए संयुक्त रूप से तीन लोगों को चुना है। इसमें स्यूकुरो मानेबे, क्लाउस हैसलमैन और जियोर्जियो पेरिसी हैं, जिन्हें फिजिक्स के लिए 2021 के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किए जाने का निर्णय लिया गया है।

स्यूकुरो मानेबे और क्लाउस हैसलमैन ने धरती की जलवायु का फिजिकल माडल तैयार किया जिससे इसमें होने वाले बदलाव पर सटीकता से नजर रखी जा सकती है और ग्लोबल वार्मिंग का अनुमान लगाया जा सकता है। इसके साथ ही जियोर्जियो पेरिसी ने अपनी खोज के द्वारा अणुओं से लेकर ग्रहों तक के फिजिकल सिस्टम में होने वाले तेज बदलाव और विकारों के बीच की गतिविधि को दिखाया है।

> फिजिकल सिस्टम में होने वाले तेज बदलाव और विकारों के बीच की गतिविधि को दिखाया

सोमवार को नोबेल समिति ने चिकित्सा के क्षेत्र में अमेरिकी वैज्ञानिक डेविड जूलियस और अर्डेम पटापौटियन को उनकी खोजों के लिए सम्मानित किया था। आने वाले दिनों में रसायन विज्ञान, साहित्य, शांति और अर्थशास्त्र के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे।

बता दें कि पिछले साल भौतिकी विज्ञान का नोबेल पुरस्ध्कार अमेरिकी वैज्ञानिक आंड्रेया घेज, ब्रिटेन के रोजर पेनरोज और जर्मनी के रिनार्ड गेनजेल को मिला था। इन तीनों को ब्लैक होल्स पर रिसर्च के लिए इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

गौरतलब है कि नोबेल पुरस्कार को हासिल करने वाले व्यक्ति को एक गोल्ड मेडल के साथ एक करोड़ स्वीडिश क्रोनर (करीब 8. 5 करोड़ रुपये) की राशि दी जाती है।

रूस से जल्द आ रहा एस-400 डिफेंस सिस्टम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। चीन से बढ़ते खतरे के बीच भारत को जल्द ही रूसी ब्रह्मास्त्र कहे जाने वाले एस–400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम मिल सकते हैं। भारतीय वायुसेना के चीफ एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने मंगलवार को कहा कि रूस में निर्मित यह अत्याधुनिक एयर डिफेंस सिस्ध्टम इस साल के अंदर–अंदर भारतीय वायुसेना में शामिल कर लिया जाएगा। एस–400 के भारत आने की बढ़ती संभावना के बीच अब अमेरिका से बड़ा झटका लगने की भी आशंका बढ़ती जा रही है। चीन के खिलाफ गठजोड़ में भारत के साथ खड़ा अमेरिका रूसी एयर डिफेंस सिस्ध्टम का कड़ा विरोध कर रहा है। अमेरिका चाहता है कि भारत एस–400 की जगह पर उसका एयर डिफेंस सिस्टम खरीदे। विशेषज्ञों के मुताबिक अमेरिकी सिस्टम एस–400 के सामने कहीं नहीं ठहरता है। यही वजह है कि भारत ने कई बार अमेरिका को साफ कर दिया है कि वह रूस के साथ अपनी डील पर आगे बढ़ेगा। भारत के इस रुख से अब अमेरिकी प्रतिबंधों का खतरा मंडराने लगा है।